सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 243 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 10 अक्टूबर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

विश्वकप की अंकतालिका में कीवी टीम... 7

किसी के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर देना इतना मुश्किल नहीं है, लेकिन उस इंसान को खोज पाना मुश्किल है जो आपके कुर्बानी का सम्मान करे।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

विस सभा चुनाव तय करेंगे लोकसभा... 3

जातिगत जनगणना के विरोधी... 2

ओबीसी व आदिवासियों को अपमानित करते हैं पीएम मोदी : राहुल

शहडोल में भाजपा पर बरसे कांग्रेस सांसद

» सरकार को जातीय जनगणना करानी ही पड़ेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा के बाद पांच राज्यों में सियासी वार-पलटवार का ग्राफ तेजी से बढ़ने लगा है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने पूरी तरह से आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। कांग्रेस के शीर्षस्थ से लेकर गांव-गांव के छोटे-छोटे कार्यकर्ता अब भाजपा व मोदी सरकार को घेरने में जुट गए हैं। इसी क्रम में मध्य प्रदेश में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए रैली राहुल गांधी ने सरकार आने आदिवासियों को कई सहुलियतें देने का वादा किया जिनमें तेंदू पत्ते की कीमत बढ़ाने की बात की। मध्य प्रदेश में चुनाव की घोषणा हो चुकी है। शहडोल पहुंचे राहुल गांधी ने जन आक्रोश रैली को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा, जिसकी जितनी हिस्सेदारी हो उसको उतनी ही भागीदारी मिलनी चाहिए। पीएम मोदी आदिवासियों की बात करते हैं लेकिन वह उनका दिल से सम्मान नहीं करते हैं, अगर वह ऐसा करते तो जातिगत जनगणना जरूर करवाते। राहुल गांधी ने कहा,अगर भारत सरकार 100 रुपए खर्च करती है तो ओबीसी वर्ग के अफसर सिर्फ 5 रुपए का निर्णय लेते हैं। अब आप ये बताइए अगर भारत सरकार 100 रुपए खर्च करती है तो आदिवासी अफसर कितने रुपए का निर्णय लेते हैं? आदिवासी अफसर 100 रुपए में से सिर्फ 10 पैसे का निर्णय लेते हैं। आदिवासी वर्ग का इससे बड़ा अपमान नहीं किया जा सकता। राहुल गांधी ने शहडोल की इस चुनावी रैली के दौरान जातीय सर्वे कराने का वादा किया। उन्होंने कहा, हम मोदी जी पर इतना दबाव डाल देंगे कि उनको जातीय जनगणना करानी ही पडेगी। बीजेपी वाले इससे बच नहीं सकते। जातीय सर्वे समाज के एक्सरे की तरह है इससे पता चलेगा कि कौन कितना पिछड़ा है और कितनी मुसीबत में है।

वही वादे करें जो पूरे कर सकें

मैंने कमलनाथ, सुरजेवाला जी से कहा कि वायदे वो ही करने हैं जो पूरे हो सके, हम मध्यप्रदेश की जनता से मोहब्बत करते हैं हम झूठे वादे नहीं करेंगे। माताओं-बहनों को 15 सौ रुपये माताओं बहनों को मिलेगा। 500 रुपये में सिलेंडर, 100 यूनिट बिजली मुफ्त, आदिवासियों के लिए तेंदुपत्ता चार हजार का। अपने भविष्य पर आप निर्णय लेने जा रहे हैं। जब भी मेरी जरूरत हो आप किसी भी वर्ग किसी भी धर्म के हो मुझे बुलाइए मैं हाजिर हो जाउंगा। तेंदुपत्ता की मजदूरी का पैसा तीन से चार हजार रुपये तक हम बढ़ा रहे हैं।

शिवराज पर बिफरे कमलनाथ

कमलनाथ ने रानी दुर्गावती, बादल भोई, टंट्या मामा को याद करते हुए कहा कि मैं आदिवासी क्षेत्र छिंदवाड़ा से आता हूं। आज यहां आकर बहुत खुशी हुई। राहुल जी आप उस प्रदेश में आये हैं, जहां चौपट सरकार सालों से चल रही है। यहां अर्थव्यवस्था से लेकर कृषि तक सब कुछ चौपट है। चुनाव की घोषणा के बाद ये पहली सभा है। इस चुनाव में मध्यप्रदेश के भविष्य का फैसला होना है। आज का भटकता नौजवान सबसे बड़ी चुनौती है।

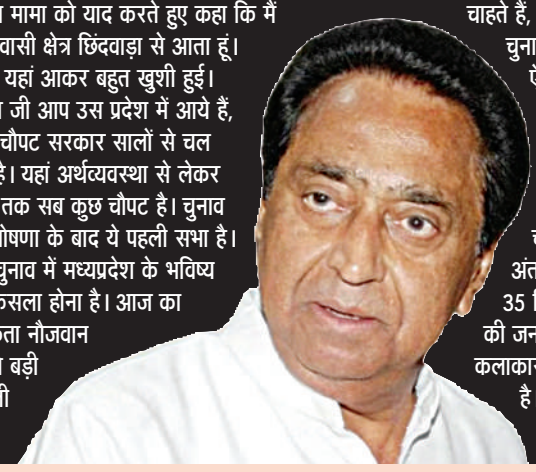

आने वाली पीढ़ियों को कैसा मध्यप्रदेश देना चाहते हैं, ये आने वाला चुनाव तय करेगा। ये ऐसा प्रदेश है जहां किसान के आंसू शिवराज नहीं देख सकते। मुंह चलाने और देश चलाने में बहुत अंतर है। अब सिर्फ 35 दिन बचे हैं। एमपी की जनता ने आपकी कलाकारी को पहचान लिया है। पैसे दो काम लो ये आज हालात हैं।

आदिवासियों पर अत्याचार का लैब बना मप्र

आडवानी जी ने कहा था कि आरएसएस और बीजेपी का सच्चा कारखाना गुजरात में नहीं है मगर मध्यप्रदेश में है। आडवानी जी ने कहा था कि मध्यप्रदेश उनका कारखाना है तो मैंने सोचा कि चलो देखें। दो तीन उदाहरण आपको देना चाहता हूं। बीजेपी की लेबोरेटरी में मरे हुए लोगों का इलाज किया जाता है और उनका पैसा चोरी किया जाता है। देश के किसी प्रदेश में मरे हुए लोगों का इलाज नहीं किया जाता है। मध्यप्रदेश में मरे हुए लोगों का इलाज किया जाता है। मध्यप्रदेश में महाकाल से चोरी की जाती है। बच्चों का मिड डे मील का पैसा मध्यप्रदेश में चोरी किया जाता है। व्यापमं में एक करोड़ युवाओं का भविष्य बर्बाद किया जाता है। पटवारी बनने के लिए 15 लाख की रिश्वत ली जाती है। बीजेपी की लेबोरेटरी में हर रोज तीन किसान आत्महत्या कर रहे हैं। मंदसौर में गोली मारी जाती है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए लोकप्रिय नेताजी

» पीएम मोदी व सीएम योगी ने भी दी श्रद्धांजलि

» सैफई में सपा संस्थापक की समाधि पर दी गई पुष्पांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की आज पहली पुण्यतिथि है। इस मौके पर मुख्य आयोजन नेता जी के पैतृक गांव सैफई में हुआ। जहां सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत पूरे सैफई परिवार ने मुलायम सिंह को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट के जरिए मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमितशाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , कांग्रेस नेता राहुल गांधी मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी समेत सता व विपक्ष के सभी नेताओं ने धरती पुत्र व प्रमुख समाजवादी नेता मुलायम सिंह जी को याद किया। सभी नेताओं ने कहा कि वह गरीबों को विकास की दौड़ में आगे करने वाले लोकप्रिय जन नेता थे। यूपी के तीन बार के सीएम व देश के रक्षामंत्री रहे मुलायम सिंह यादव जी का पिछले साल बीमारी की वजह से निधन हो गया था।

फोटो: सुमित कुमार

पूरे प्रदेश में मुलायम सिंह के विचार किए गए साझा

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की पहली पुण्यतिथि पार्टी पूरे प्रदेश में मनाया। मुलायम सिंह यादव की पहली पुण्यतिथि के मौके पर सभी विधानसभा क्षेत्रों के ब्लॉक, नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद और नगर निगमों में कार्यक्रम का आयोजन किय गए। इस मौके पर हर जगह-जगह संगोष्ठी भी हुई, जिसमें मुलायम सिंह के व्यक्तित्व की जानकारी दी गई। साथ ही उनके संघर्षों के बारे में भी बताया गया। मुलायम सिंह यादव की पहली पुण्यतिथि के मौके पर सैफई में होने वाले कार्यक्रम में अखिलेश यादव का पूरा परिवार एकजुट दिखाई दिया। इसके अलावा दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में सपा समर्थक मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में इंडिया गठबंधन के कई नेता भी शामिल हुए।

जातिगत जनगणना के विरोधी आरक्षण के खिलाफ : मायावती

» भाजपा-कांग्रेस में लगी है ओबीसी हितैषी बनने की होड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री ने श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के बाद कार्यकर्ताओं को दिए अपने संदेश में कहा कि भाजपा और कांग्रेस में ओबीसी समाज का हितैषी बनने की होड़ मची है। उन्होंने ओबीसी की यूपी व राष्ट्रीय स्तर पर जनगणना एवं सर्वे कराने की मांग करते हुए कहा कि इससे इंकार करने वाले आरक्षण विरोधी और जातिवादी सोच के लोग हैं। जो एससी-एसटी वर्ग के आरक्षण को निष्क्रिय एवं निष्प्रभावी बनाने का षड्यंत्र करते रहते हैं।

उन्होंने कहा कि बसपा मूवमेंट के सामने जातिवादी, संकीर्ण, साम्प्रदायिक, पूंजीवादी एवं गरीब-विरोधी ताकतों की चुनौतियां बढ़ गयी हैं। अकूत धन व संसाधनों का दुरुपयोग करने के साथ ही उनके साम, दाम, दण्ड, भेद आदि हथकंडों का बसपा द्वारा केवल अपनी एकजुटता, समर्पण तथा जनाधार को बढ़ाकर सामना किया जा सकता है। इस प्रकार, सामाजिक न्याय तथा इसी प्रकार इनके बहुप्रचारित विकास के इनके दावों का थोड़ा भी वास्तविक लाभ हकदारों व जरूरतमंदों को नहीं मिल पाता है।

कांशीराम का सम्मान नहीं लगा अच्छा उन्होंने कहा कि कांशीराम के सम्मान में बसपा सरकार द्वारा अनेकों भव्य व ऐतिहासिक महत्व के स्मारक, स्थल, पार्क आदि के साथ ही कई विश्वविद्यालय, कालेज, अस्पताल के साथ ही नये जिले आदि बनाए गए, जो उनके विरोधियों को अच्छा नहीं लगा। सपा सरकार ने कई के नाम बदल डाले।

मप्र विधानसभा चुनाव में मजबूती से लड़ने की तैयारी

बहुजन समाज पार्टी ने मजबूती से लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने 26 उम्मीदवारी तीसरी सूची जारी की है। इसमें पथरिया से पार्टी की विधायक रामबाई को दोबारा टिकट दिया गया है। वहीं, चित्रकुट में भाजपा छोड़कर बसपा में शामिल होने सुभाष शर्मा पर भरोसा जताया है। जौरा सीट से पूर्व विधायक सोनेराम कुशवाह, सबलगढ़ से सोनेराम धाकड़, भांडेर से राजू चौधरी, अंबाह से डॉ. रामवरन सिंह, खरगापुर से ह्देश कुशवाह, राजनगर सीट से घासीराम पटेल, छतरपुर सीट से डीलमणि सिंह, विजयपुरी से महेश कुशवाहा, बिजावर सीट से महेंद्र गुप्ता, मनगवा सीट से रामायण साकेत को प्रत्याशी बनाया है। नेपानगर से दिलीप कास्डेकर, सुवासरा से बलवंत सिंह गुर्जर, आष्टा से वद्रीलाल कटारिया, खंडवा से संदीप अटूट, मुल्ताई से इंदल राव खातरकर, छिंदवाड़ा से विक्रम हिरपाची, गाडरवारा से सविता अहिरवार, गोविंदपुरा से उमा देवी वर्मा, शिवपुरी से अहिरवरन सिंह गुर्जर, कटंगी से पंचेश्वर गुरुजी, वारा सिवनी से अजाब लाल शास्त्र और सिहोरा से सुभाष मरकाम, जैतपुर से विजय कुमार विरसा और सिहावल से रानी वर्मा को प्रत्याशी बनाया है।

महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, से सभी परेशान

महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य आदि बुनियादी जरूरतों की बदहाली का सबसे बुरा प्रभाव बहुजन समाज व अपरकास्ट के गरीबों को ही झेलना पड़ता है। जनहित व जनकल्याण में कांग्रेस व भाजपा दोनों कसूरवार व गुनहगार हैं। एससी-एसटी, ओबीसी तथा धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के लोगों को इसे समझना होगा। इन पार्टियों की साजिश व हवा-हवाई दावों और वादों से बचकर आगे की नीति, रणनीति बनानी होगी।

विरोधी भी दे रहे कांशीराम को श्रद्धांजलि

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि कांशीराम को उनके घोर विरोधी दल बहुजन समाज के लोगों को गुमराह करने के उद्देश्य से श्रद्धांजलि देने के लिए दौड़ में लगे नजर आते हैं। इनमें अधिकतर वे लोग हैं, जिनकी सरकार ने उनके देहांत पर एक दिन का शोक पंजाब या यूपी में घोषित नहीं किया था। उनमें से अनेकों के बारे में कांशीराम ने स्वयं 'चमचा युग' किताब लिखकर समाज को वैसे गुलाम व बिकाऊ तत्वों से सावधान किया था।

राजस्थान-छत्तीसगढ़ और मप्र में पूरी ताकत से चुनाव लड़ेंगे : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

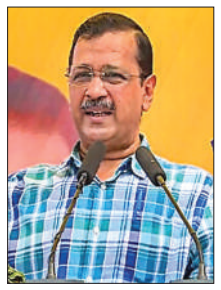

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया। इसी के साथ आम आदमी पार्टी ने भी कहा है कि वो राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे। आगे कहा कि इसके बारे में पूरी जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी।

चुनाव आयोग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में दो चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण के लिए सात नवंबर और दूसरे चरण के लिए 17 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं दूसरी तरफ मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। उधर एशियन गेम्स में देश को सिल्वर मेडल दिलाने वाले एथलीट तेजस्विन शंकर को सीएम अरविंद ने सम्मानित किया। साथ ही भविष्य में शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। तेजस्विन शंकर ने एशियन गेम्स की डीकेथलॉन स्पर्धा में भारत को रजत पदक दिलाया। इस दौरान उन्होंने नया नेशनल रिकॉर्ड भी बनाया। तेजस्विन शंकर दिल्ली सरकार की मिशन एक्सिलेंस स्कीम के लाभार्थी हैं सीएम ने कहा युवाओं में अपार प्रतिभा है, केवल उनका साथ देना है और उन्हें आगे बढ़ाना है। इस दौरान स्थानीय विधायक सोमनाथ भारती और तेजस्विन के परिवार के लोग भी मौजूद थे।

सीएम खट्टर जनसंवाद नहीं जन अपमान कर रहे : उदयभान

» कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा- हरियाणा में आएगी कांग्रेस सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कैथल (हरियाणा)। हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल पर जुबानी हमला बोला। प्रदेशाध्यक्ष उदय भान ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल के जनसंवाद कार्यक्रम पर बोलते हुए कहा कि यह जनसंवाद नहीं बल्कि जन अपमान कार्यक्रम हो रहा है। उदय भान ने कहा कि आज हरियाणा प्रदेश में गठबंधन सरकार जनविरोधी नीतियों पर काम कर रही है। आज प्रदेश का कोई वर्ग नहीं बचा जो गठबंधन सरकार की जनविरोधी नीतियों का शिकार न हुआ हो।

आज प्रदेश के जनप्रतिनिधि से लेकर जनता का शोषण करने में गठबंधन सरकार अग्रणी पंक्ति में नजर आ रही है। उन्होंने कांग्रेस की गुटबाजी पर कहा कि कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं है।

कारगिल हार से भाजपा में डर बढ़ा: महबूबा

» बोलीं- बीजेपी का लोकतंत्र में यकीन नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अनंतनाग। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि भाजपा का लोकतंत्र में यकीन ही नहीं है। जम्मू कश्मीर में कई सालों से लोकतंत्र का गला दबाया हुआ है। प्रदेश में भारत के संविधान को भी लागू नहीं किया गया है। कारगिल में धर्मनिरपेक्ष पार्टी नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस को जनता का बहुमत मिल है। इसी जीत से भाजपा में घबराहट बढ़ गई है। महबूबा मुफ्ती यहां आतंकी गोली का शिकार हुए 11वीं कक्षा के छात्र साहिल बशीर डार के घर पहुंच ढांढस बंधाने के लिए पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि कश्मीर में अब भी निर्दोष लोगों का खून बह रहा है।

इस वारदात की निंदा करते हैं। भाजपा कहती है कि प्रदेश में सामान्य है, लेकिन जमीनी हालात अलग हैं। महबूबा मुफ्ती ने फलस्तीन-इस्राइल के बीच संघर्ष पर चिंता व्यक्त की। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष ने कहा कि हमास ने जो किया वह उसकी निंदा करती हैं। लेकिन, पश्चिमी दुनिया तभी जागी है जब हमास ने इस्राइल पर हमला किया है। इस तरह चयनात्मक आक्रोश नहीं होना चाहिए।

भाजपा से नहीं चुनाव अयोग से गिला : उमर अब्दुल्ला

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में जो हाल ही में बैठक हुई है उससे यह संकेत मिल रहे हैं कि प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव कराने का उनकी कोई योजना नहीं है। उमर ने कहा, मुझे गिला भाजपा से नहीं, चुनाव आयोग से है। क्योंकि, भाजपा सियासी दल है। वो अपना फायदा-नुकसान देखेगी। चुनाव आयोग ने कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव के लिए सुरक्षा और अन्य कारणों को देखा जाएगा। लेकिन, मुझे लगता है कि केवल एक ही कारण देखा जा रहा है और वो है भाजपा का फियर फैक्टर। उमर ने कहा कि पांच अगस्त 2019 के बाद भाजपा ने यह अफसाना फैलाना शुरू किया कि जम्मू कश्मीर से लद्दाख को अलग करने का फैसला स्थानीय लोगों की इच्छा पर निर्भर था। लेकिन, सच है यह कि जितना बुरा घाटी के लोगों को लगा, उतना बुरी ये बात कारगिल के लोगों को खटकती है।

सपा कार्यकर्ताओं ने नेताजी की पुण्यतिथि पर गरीबों को बांटे फल व जरूरी सामान

» जगह-जगह हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवाद के प्रतीक मुलायम सिंह यादव को प्रथम पुण्यतिथि पर कई कार्यक्रम में किए गए। विधानभवन में सपा के मुख्य सचेतक मनोज पांडेय की अगुवाई में श्रद्धांजलि सभा हुई। राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी मंगलवार की दोपहर में केजीएमयू जाकर स्ट्रेचर दान किया। राजेंद्र चौधरी ने बताया कि सभी जिला व महानगर कमेटियों को कार्यक्रम के संबंध में जरूरी निर्देश भेज दिए गए हैं। स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव का पूरा जीवन गरीबों के लिए समर्पित रहा। इसलिए उनके बीच में ही रहकर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी के लोग अपनी नेता को याद किया। रक्तदान शिविरों का आयोजन हुआ। अस्पतालों में उपकरण दिए जाएंगे। गरीबों के बीच फल और खाने-पीने सामग्री बांटी गई। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर मुख्य कार्यक्रम सैफई में हुआ।

श्रद्धांजलि सभा में भविष्य के लिए राजनीतिक संकल्प भी सपा लेगी। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किये। हर विधानसभा क्षेत्र में उन्हें याद किया गया। समर्थक गरीबों की मदद करके समाजवादी नेता को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

पश्चिमी यूपी में सपा-रालोद गठबंधन छोड़ कई ने थामा कांग्रेस का हाथ

सपा के वरिष्ठ नेता पूर्व राज्यमंत्री ओमवीर तोमर, फिरोज आफताब और राष्ट्रीय लोकदल के फ्रंटल संगठनों के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अहमद हमीद ने सोमवार को समर्थकों के साथ कांग्रेस का हाथ पकड़ लिया है। इन तीनों के कांग्रेस में शामिल होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सपा-रालोद के लिए जोरदार झटका माना जा रहा है। बागपत विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक और तीन बार मंत्री रहे नवाब कोकब हमीद के बेटे अहमद हमीद को राष्ट्रीय लोकदल में युवा चेहरे के तौर पर थे। इसी तरह पूर्व राज्यमंत्री ओमवीर तोमर को किसान नेता के तौर पर जाना जाता है। इन दोनों नेताओं व उनके समर्थकों को सोमवार दोपहर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सदस्यता दिलाई। इसके बाद देर शाम सहारनपुर के सपा के वरिष्ठ नेता फिरोज आफताब भी समर्थकों के साथ कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। वह वर्ष 2012 में नकुड़ से सपा प्रत्याशी रहे हैं।

विस सभा चुनाव तय करेंगे लोकसभा की राह

सियासी दलों के लिए सेमीफाइनल की तरह होंगे मुकाबले

» भाजपा व कांग्रेस चुनाव आयोग के फैसले से खुश

» सियासी दलों का अपनी-अपनी जीत का दाव

गीताश्री

नई दिल्ली। देश के पांच राज्यों में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिनके लिए तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम, वो पांच राज्य हैं, जहां इस साल मतदान होंगे, 2024 में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं,इस चुनाव में अभी लगभग छह महीने का समय है। यही वजह है कि पांच राज्यों के चुनावों को लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है, इस चुनाव के नतीजे कहीं न कहीं लोकसभा चुनाव के नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं या कह सकते हैं कि ये परिणाम जता देंगे आने वाले समय में देश की बागडोर भाजपा गठबंधन के पास ही रहती है या कांग्रेस गठबंधन इंडिया के पास चली जाती है। इन राज्यों में 83 लोकसभा सीटें हैं। वर्तमान में इन सीटों पर ज्यादातर पर भाजपा का कब्जा है।

हालांकि घोषणाओं के बाद दोनों ही प्रमुख दलों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा भाजपा के जाने समय आ गया है अब देश की जनता नई सरकार लाएगी। वहीं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है भाजापा पांचों राज्यों में बहुमत की सरार बनाएगी। उधर चुनाव आयोग ने बताया कि मिजोरम में 7 नवंबर को वोट डाले जाएंगे. छत्तीसगढ़ में 7 नवंबर को पहले फेज और 17 नवंबर को दूसरे फेज की वोटिंग होगी. मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को एक चरण में वोटिंग होने वाली है. राजस्थान में 23 नवंबर, जबकि तेलंगाना में 30 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। पांचों ही राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 3 दिसंबर को जारी कर दिए जाएंगे। पांच चुनावी राज्यों में से मध्यप्रदेश अकेला राज्य है, जहां वर्तमान में भाजपा की सरकार है। लिहाजा पार्टी अपनी सत्ता को बरकरार रखने के लिए जोर लगाने में जुटी हुई है। कांग्रेस, आप, सपा, बसपा भी चुनाव प्रचार में अपनी ताकत झोक रहे हैं। ऐसे में हर कोई जानना चाहता है कि राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति क्या है? मुख्यमंत्री पद के चेहरे कौन-कौन से हैं? चुनाव प्रचार में बड़े चेहरे कौन-कौन से हैं? चुनाव के बड़े मुद्दे क्या हैं? किन-किन के बीच मुकाबला है? इस बार 2018 के मुकाबले समीकरण कितने अलग हैं? इस चुनाव में भाजपा के सामने अपना किला बचाने की चुनौती होगी। वहीं, कांग्रेस 2020 में सत्ता से बेदखल होने की कसक दूर करना चाहेगी। इससे पहले राज्य में इन दिनों चुनावी सरगर्मी काफी तेज हो चली है। सभी दल चुनाव से ऐन पहले एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। इस बीच विधानसभा चुनाव के लिए सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने अब तक 79 उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। वहीं अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी ने भी अपने 39 प्रत्याशी घोषित किए हैं। कांग्रेस ने अब तक कोई सूची नहीं जारी की है।

मप्र में भाजपा पर कांग्रेस का पलड़ा भारी

वर्तमान में मध्यप्रदेश के सियासी समीकरण की बात करें तो 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 127, कांग्रेस के 96, निर्दलीय चार, दो बसपा और एक समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। बता दें कि 2018 के चुनाव के बाद कांग्रेस की 114, भाजपा की 109 सीटें थीं। दो सीटें बसपा, एक सीट सपा और चार निर्दलीय उम्मीदवारों के खाते में गई थीं। 2020 में सिंधिया समर्थक विधायकों ने पाला बदल लिया था। इसके बाद नवंबर 2020 में 28 सीटों पर उपचुनाव हुए। इनमें से 19 भाजपा के खाते में गईं। वहीं, नौ सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की। इसके बाद नवंबर 2021 में तीन और सीटों पर उपचुनाव हुए। इनमें से दो सीटें भाजपा और एक कांग्रेस ने जीती। राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री भले ही शिवराज सिंह हैं, लेकिन भाजपा इस बार उनके चेहरे के बिना चुनाव में जाएगी। भाजपा इस चुनाव में सामूहिक नेतृत्व के जरिए जनता के सामने जा रही है। इसके संकेत भाजपा की दूसरी सूची से भी सामने आए, जब उसने तीन केंद्रीय मंत्रियों समेत सात लोकसभा सांसदों को विधानसभा चुनाव ल?ने के लिए टिकट दे दिया। वहीं, राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस कमलनाथ को ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा प्रोजेक्ट कर रही है।

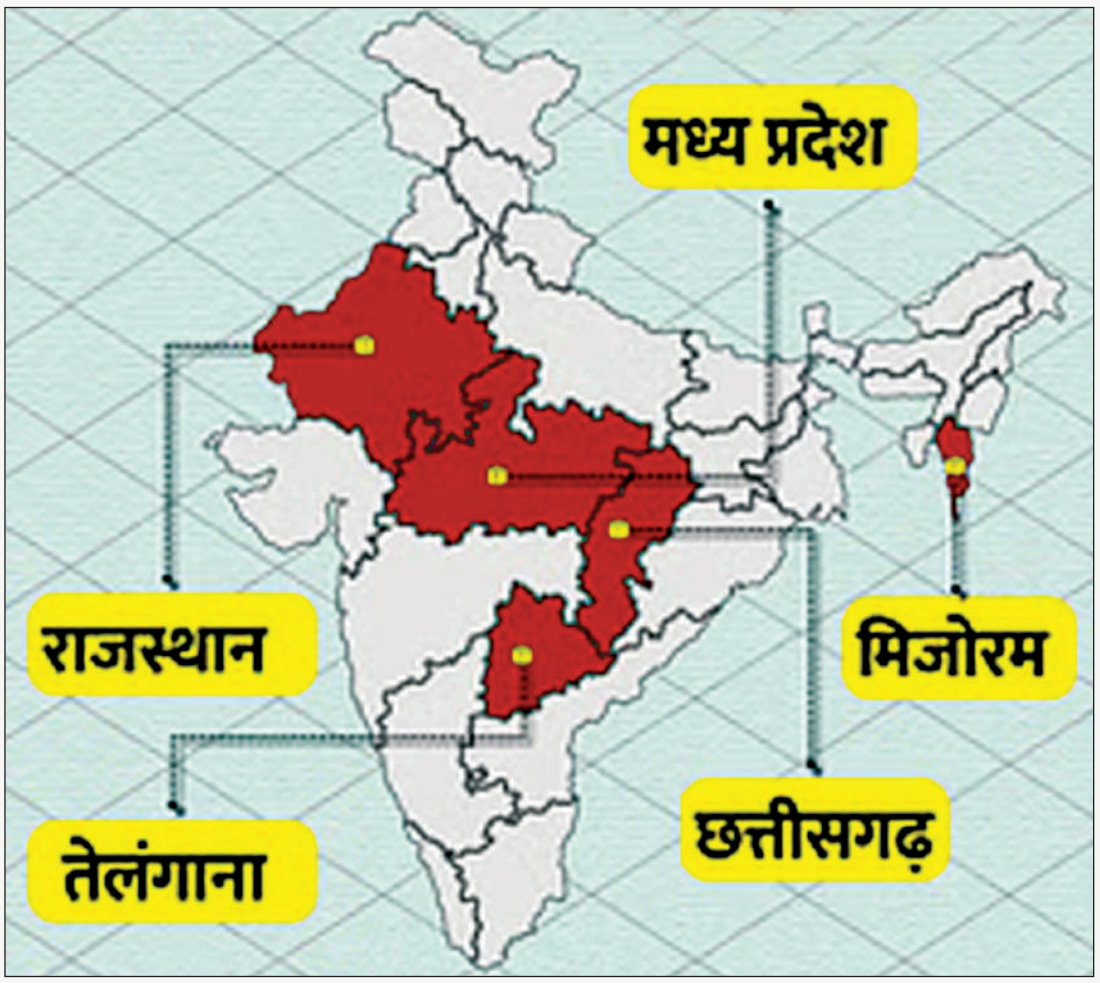

83 लोक सभा सीटों पर नजर

देश में लोकसभा की कुल 545 सीटें हैं, जिसमें से 83 सीटें इन पांचों ही राज्यों में हैं। विधानसभा चुनाव में जीत हासिल होने से पार्टियों का मनोबल भी बढ़ेगा। बीजेपी और कांग्रेस दोनों के लिए मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ अहम हैं। पांचों राज्यों में सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें इन्हीं तीन राज्यों में हैं। 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को 83 में से 67 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि कांग्रेस के खाते में सिर्फ 6 सीटें गईं। सबसे ज्यादा हैरानी वाली बात ये है कि 2018 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों का असर लोकसभा चुनाव पर नहीं पड़ा था। बीजेपी को मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हार मिली। इसके बाद भी लोकसभा में बीजेपी को बंपर जीत हासिल हुई। राजस्थान में हर 5 साल पर सरकार बदलने का रिवाज रहा है, कांग्रेस से पहले यहां बीजेपी की सरकार रह चुकी है। छत्तीसगढ़ में 15 साल बाद पिछले बार हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जीत हासिल हुई। बीजेपी इस बार किसी चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ रही है। लेकिन कांग्रेस राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सीएम चेहरे को साफ कर चुकी है।

तीन राज्यों में कांग्रेस बनाम बीजेपी

ध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ ऐसे राज्य हैं, जहां कांग्रेस बनाम बीजेपी है। वर्तमान में मध्य प्रदेश में बीजेपी की सरकार है, जबकि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी की सरकार है, तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार चला रही है, इस राज्य में त्रिकोणीय मुकाबला होने वाला है, जहां बीआरएस, कांग्रेस और बीजेपी दमखम दिखाएंगी। वहीं, मिजोरम में कांग्रेस का मुकाबला मिजो नेशनल फ्रंट और जोराम पीपुल्स मूवमेंट से होगा।

कांग्रेस ने योजनाओं को बताया चुनावी करार

कांग्रेस ने इन योजनाओं को चुनावी करार दिया है और आगामी चुनाव के लिए 11 बिंदुओं वाला वचन पत्र जारी किया है। इसमें महिलाओं, युवाओं, आदिवासिओं और किसानों से जुड़े मुद्दे रखे गए हैं। इसके अलावा आप ने भी 10 चुनावी गारंटियां घोषित की हैं। 2018 के बाद से इस चुनाव के आने तक प्रदेश की सियासत में बहुत कुछ बदल चुका है। सबसे बड़ा बदलाव ज्योतिरादित्य सिंधिया हैं, जो अबकी बार भाजपा के साथ हैं। पिछली बार जब विधानसभा चुनाव हुए थे तब सिंधिया कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल थे। सिंधिया के साथ ग्वालियर चंबल के कई बड़े नेता और विधायक इस चुनाव में भाजपा का हिस्सा हैं। वहीं कांग्रेस की बात करें तो इसका कुनबा भी मजबूत हुआ है। पिछले कुछ महीनों में भाजपा के 30 से ज्यादा बड़े नेता कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। इनमें कई सिंधिया समर्थक नेता भी हैं। सबसे ड़े चेहरों की बात करें तो इनमें पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के बेटे दीपक जोशी, शिवपुरी की कोलारस सीट से विधायक वीरेंद्र रघुवंशी, पूर्व विधायक भंवर सिंह शेखावत, खरगोन से पूर्व सांसद मलखान सिंह सोलंकी भी शामिल हैं।

मोदी के मुकाबले में प्रियंका व राहुल का प्रचार

चुनाव प्रचार के लिए भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अपने बड़े दिग्गज नेताओं को उतारा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लगातार दौरे कर रहे हैं। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के दो दिग्गज नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया और नरेंद्र सिंह तोमर भी चुनावी कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे हैं। कांग्रेस की तरफ देखें तो इसके लिए प्रियंका गांधी प्रदेश में काफी सक्रिय नजर आ रही हैं। इसके साथ ही पार्टी के प्रमुख नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, दिग्विजय सिंह भी चुनावी कार्यक्रमों में नजर आ रहे हैं।

बेरोजगारी व भ्रष्टचार होंगे बड़े मुद्दे

इस बार राज्य में रोजगार जैसा मुद्दा भाजपा की परेशानी का सबब बन सकता है। यहां पिछले चुनाव के बाद लगभग तीन साल तक भर्तियां आरक्षण के मुद्दे पर अदालतों में रुकती रहीं। करीब छह साल बाद पटवारी समेत कई पदों पर भर्ती आई थी। हालांकि, भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप लगने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने इसके आधार पर होने वाली नियुक्ति पर रोक लगा दी। परीक्षा में गड़बड़ीं और भर्तियों में देरी को लेकर राज्य के में आए दिन बेरोजगार धरना-प्रदर्शन करते रहे हैं। कांग्रेस लगातार इन मुद्दों को अपने कार्यक्रमों में उठा रही है। पार्टी दावा कर रही है कि जब उसकी सरकार आएगी तो परीक्षाओं को पारदर्शिता के साथ कराया जाएगा और युवाओं के साथ न्याय होगा। आदिवासी और महिला मतदाताओं पर भी पार्टियों की नजर है। भाजपा आदिवासी वोटरों को अपनी ओर लाने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में जनजातीय गौरव दिवस पर प्रदेश सरकार ने पेसा नियम अधिसूचित किए। यह ग्राम सभाओं को वन क्षेत्रों में सभी प्राकृतिक संसाधनों के संबंध में नियमों और विनियमों पर निर्णय लेने का अधिकार देगा। वहीं महिला वोटर को साधने के लिए पांच मार्च को शिवराज सिंह ने लाड़ली बहना योजना शुरुआत की। इस योजना में ढाई लाख से कम वार्षिक आय और पांच एकड़ से कम जमीन वाली महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही लाडली बहना आवास योजना और किफायती रसोई गैस सिलेंडर देने वाली योजनाएं शुरू की गई हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एयरशो में दिखती है भारत की वायुशक्ति

भारतीय वायु सेना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश की संगम नगरी के नाम से प्रसिद्ध प्रयागराज में भारतीय वायुसेना के वायु योद्धाओं का अद्भुत नजारा देखने को मिला। इस एयरशो में भारत की वायुशक्ति भी लोगों को दिखाई दी। कभी चालीस, पचास साल पहले वायु सेना की ताकत सीमित थी पर बाद में उसकी ताकत बढ़ती ही गई। आज विश्व में वायु सैन्य के मामले में भारत की ताकत बढ़ी है। देश के कई हिस्सों में समय-समय पर अपनी बढ़ी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए वायु सेना एयरशो करता रहता है। इस शो के द्वारा वह आमजन को भी जोड़ता है ताकि उसे अपने देश की वायु शक्ति की जानकारी मिल सके। हमारे देश में प्रतिवर्ष 8 अक्टूबर को भारतीय वायु सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष भारत अपना 91वां वायुसेना दिवस मना रहा है। इंडियन एयरफोर्स की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को की गयी थी, जिसके बाद से इस दिन को प्रत्येक वर्ष इसी तारीख को मनाया जाता है।

आठ अक्टूबर भारतीय वायुसेना के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन के रूप में दर्ज हो गया। यह एक ऐतिहासिक दिन है, जब वायुसेना को अपना नया ध्वज मिला है। बता दें कि नौसेना द्वारा अपने औपनिवेशिक अतीत को छोड़कर ध्वज में बदलाव करने के एक साल से अधिक समय बाद वायुसेना ने यह कदम उठाया है। वायुसेना के नए ध्वज में सबसे ऊपर दाएं कोने में भारतीय वायुसेना का चिह्न है। भारतीय वायु सेना दिवस के कार्यक्रम की थीम इस बार भारतीय वायु सेना - सीमाओं से परे वायु सेना निर्धारित की गई है। संगम क्षेत्र में एयर शो का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बेहद शानदार और आधुनिक चिनूक, चेतक, जगुआर, अपाचे, राफेल समेत कई विमान आपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने वायु सेना दिवस के अवसर वायु सैनिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इनकी महान सेवा और त्याग हमारे आकाश की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। पीएम ने यह भी कहा कि भारत को भारतीय वायुसेना की वीरता, प्रतिबद्धता और समर्पण पर गर्व है, उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भारतीय वायु सेना के साहस को सलाम करने वाला एक वीडियो भी साझा किया। प्रधानमंत्री ने लिखा, वायु सेना दिवस पर सभी वायु सैनिकों और उनके परिजनों को बधाई. भारतीय वायु सैनिकों की वीरता, प्रतिबद्धता और समर्पण पर भारत को गर्व है. उनकी महान सेवा और त्याग हमारे आकाश की सुरक्षा सुनिश्चित करता ह। आमजन भी वायु सैनिकों को हृदय आभार व्यक्त कर रही कि उसने उनके देश आसमान को सुरक्षा देकर उनको सुरक्षित रखा है।

हमारे देश में प्रतिवर्ष 8 अक्टूबर को भारतीय वायु सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष भारत अपना 91वां वायुसेना दिवस मना रहा है। इंडियन एयरफोर्स की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को की गयी थी, जिसके बाद से इस दिन को प्रत्येक वर्ष इसी तारीख को मनाया जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जांबाजों की मुस्तैदी से हासिल सुरक्षा कव

सतीश मेहरा

वर्तमान टेक्नोलॉजी के युग में किसी भी देश की सामरिक रणनीति में वायुशक्ति को सुदृढ़ करना बेहद आवश्यक है। इसी के मद्देनजर भारतीय वायुसेना का आधुनिकीकरण किया गया है जिससे देश का आसमानी सुरक्षा छत्र मजबूत हुआ है। कल भारतीय वायुसेना अपनी स्थापना की 91वीं वर्षगांठ मना रही है। 8 अक्टूबर, 1932 में ब्रिटिशकाल के दौरान भारतीय वायुसेना की स्थापना की गई थी। उस समय इसका नाम अंग्रेज सरकार द्वारा रॉयल इंडियन एयरफोर्स रखा गया था। आजादी के बाद 1950 में इसका नाम भारतीय वायुसेना किया गया। अपने नौ दशक के गौरवशाली इतिहास में वायुसेना ने विभिन्न युद्धों, अभियानों, ऑपरेशनों और प्राकृतिक आपदाओं में जो अद्भुत कार्य के जरिये सफलता प्राप्त की है, उसे आज सैल्यूट करने का अवसर है।

भारतीय वायुसेना ने समय-समय पर अपनी क्षमता का प्रयोग करते हुए सुरक्षा के क्षेत्र में देश को प्रबलता प्रदान की है। बात बाह्य सुरक्षा की हो, आंतरिक सुरक्षा की हो या प्राकृतिक आपदा अवसर की, वायुसेना ने हर स्थिति में देश के नागरिकों को सुरक्षा प्रदान की है। भारतीय वायुसेना ने द्वितीय विश्वयुद्ध, भारत-चीन युद्ध, भारत-पाकिस्तान युद्ध, ऑपरेशन कैक्टस, ऑपरेशन-विजय, कारगिल-युद्ध, कांगो-संकट, ऑपरेशन पुलमाई, ऑपरेशन पवन और 2019 में पाकिस्तान से पुलवामा का बदला लेने के लिए बालाकोट पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' को अंजाम देकर भारतवासियों का दिल जीता है। इससे देशवासी निरंतर वायुसेना के जांबाजों के बुलंद हौसलों के कायल हुए हैं। कल यानी आठ अक्टूबर को देश के वायुसेना केंद्रों पर 'एयर शो' का भव्य प्रदर्शन हो रहा है, जिसमें जांबाज पायलट विभिन्न लड़ाकू और अन्य विमानों के साथ हैरतअंगेज करतब दिखाते हैं। इस समय भारतीय सेना में आधुनिकतम फाइटर विमान शामिल हैं जिनमें तेजस, जैगुआर, एमआईजी-27, आरपीए 50, सुखोई 30, मिराज 2000, मिग- 29, मिग-21, एचएएल-तेजस, व राफेल के साथ-साथ हेलीकॉप्टर ध्रुव, चेतक, चीता, चिनूक, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर तथा एचएएल रुद्र शामिल हैं, जो किसी भी स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तत्पर हैं।

एचएएल कंपनी ने भारतीय तेजस विमान में तो कई बहुत ही घातक हथियार जोड़कर दुनिया में अमेरिका,

रूस और चीन जैसे बड़े-बड़े देशों में सनसनी पैदा कर दी है इतना ही नहीं, निकट भविष्य में सुखोई, रफाल 35 जैसे मारक लड़ाकू विमान भी भारत में बनेंगे। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड बिल्कुल तैयार है। भारत अब वायुयान के निर्माण में किसी देश पर निर्भर नहीं है, इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मेक इन इंडिया का सपना भी साकार हुआ है।

इस प्रकार से आकाशीय सामरिक क्षेत्र के मामले में भारत एक आत्मानिर्भर राष्ट्र होगा। इस समय भारतीय सेना में लगभग डेढ़ लाख अधिकारी पायलट और सक्रिय जवान शामिल हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव प्राप्त है। वायुसेना में महिलाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वायुसेना में वर्तमान में डेढ़ दर्जन से भी अधिक महिला पायलट लड़ाकू विमानों को उड़ा रही हैं। इसके साथ-साथ तीनों सेनाओं यानी थलसेना, जलसेना और वायुसेना के अभियानों में कुल 145 महिला पायलट विभिन्न प्रकार के विमानों से आसमान को नाप रही हैं। वर्तमान सरकार ने सामरिक महत्व को देखते हुए सेना के आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकीकरण का जो कार्य किया है उससे हमारी सेना मजबूत हुई है। सेना के अधिकारियों, जवानों को इसके अलावा 'वन रैंक वन पेंशन' के जरिये जो मान बढ़ाया गया है, उसे पूरी सैनिक बिरादरी का सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2023-24 में सेना के बजट में गत वर्ष की अपेक्षा 13 प्रतिशत से भी अधिक का इजाफा कर संकेत दिए हैं कि सेना में आधुनिकीकरण का अभियान और तेज होगा, जिससे देश की सीमाएं सुरक्षित होंगी।

नि:संदेह, स्थापना दिवस के जश्न के साथ-साथ उन सभी भारतीय वायुसेना के शहीद हुए जवानों को याद करने का भी अवसर है जिन्होंने विभिन्न युद्धों और अभियानों में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। सेनाओं की बदौलत ही हर भारतवासी अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहा है। भारतीय वायुसेना का ध्येय वाक्य है 'नभ: स्पृशं दीप्तम' यानी गर्व से आकाश को छुओ। यही वाक्य हर भारतीय युवा के दिलो-दिमाग में देशभक्ति का जज्बा पैदा करता है। तभी युवा भारतीय वायु सेना में भर्ती होने के लिए लालायित रहते हैं।

कृत्रिम मानव भ्रूण के विकास की दिशा में बड़ा कदम

डॉ. शशांक द्विवेदी

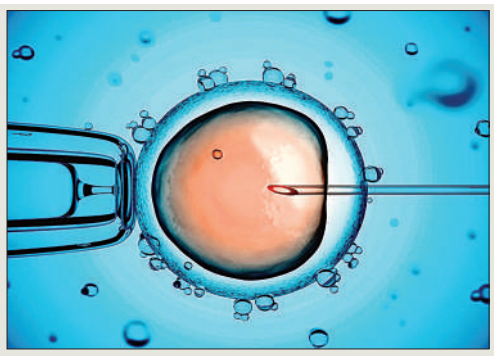

पिछले दिनों एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए इस्राइल के वैज्ञानिकों ने बिना शुक्राणु या अंडों के मानव भ्रूण का मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल के जरिये भविष्य में मानव भ्रूण को वास्तविक तरीके से विकसित किया जा सकता है। अगर यह प्रयोग सफल रहा है तो बच्चों को पैदा करने के लिए स्त्री-पुरुष के मिलन या उनके अंडों और शुक्राणु की जरूरत नहीं होगी। यह शोध वीजमैन इंस्टीट्यूट इस्राइल के वैज्ञानिकों ने किया है जिसका नेतृत्व प्रो. जैकब हन्ना ने किया। हन्ना के अनुसार, स्टेम कोशिकाओं को मिलाकर ऊतक के छोटे-छोटे गोले बनाए। इन्होंने खुद को ऐसी संरचनाओं में व्यवस्थित किया जो एक से दो सप्ताह पुराने मानव भ्रूणों में पाए जाने वाले सभी ज्ञात लक्षणों के समान दिखती हैं।

वैज्ञानिकों ने 14 दिन के मानव भ्रूण का एक मॉडल बनाने हेतु स्टेम सेल और रसायनों के संयोजन का उपयोग किया। इस सफलता से मानव जिंदगी की शुरुआती अवस्था के बारे में जानकारी मिल पाएगी। इस्राइल के वैज्ञानिकों ने शुक्राणु, अंडे या गर्भाशय का इस्तेमाल किए बिना प्रयोगशाला में स्टेम सेल से मानव भ्रूण का एक मॉडल बनाया है। यह भ्रूण के विकास के शुरुआती चरणों की एक अनूठी झलक पेश करता है। वीजमैन इंस्टीट्यूट की टीम के अनुसार, यह मॉडल 14वें दिन के भ्रूण जैसा दिखता है। इसे मानव विज्ञान के क्षेत्र में बड़ा कदम माना जा रहा है। अगर यह तकनीक आगे भी कामयाब होती है तो बच्चों को जन्म देने के लिए इंसानों की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, इस मुकाम तक पहुंचने में अभी काफी समय लग सकता है। जून में बोस्टन में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर) की वार्षिक बैठक के दौरान प्री-प्रिंट सामने आने के बाद वैज्ञानिकों का काम नेचर जर्नल में प्रकाशित हुआ था। इस्राइली टीम ने इस बात पर जोर दिया कि वे स्क्रैच से भ्रूण बनाने में सक्षम होने से अभी बहुत दूर हैं।

टीम लीडर जैकब हन्ना के अनुसार, यह काम गर्भधारण पर दवाओं के प्रभाव का परीक्षण करने, गर्भपात और आनुवंशिक बीमारियों को बेहतर ढंग से समझने और शायद प्रत्यारोपण ऊतकों और अंगों को विकसित करने के नए तरीकों का रास्ता खोल सकता है। हन्ना के मुताबिक, इनमें मानव भ्रूण से काफी अंतर है, लेकिन फिर भी यह पहली बार है। टीम ने वयस्क मानव त्वचा कोशिकाओं के साथ-साथ प्रयोगशाला में संवर्धित अन्य कोशिकाओं से प्राप्त स्टेम सेल को लिया। फिर कोशिकाओं को विभिन्न प्रकार की कोशिकाओं में विकसित होने की क्षमता के साथ प्रारंभिक अवस्था में वापस कर दिया। फिर उन्होंने संरचनात्मक रूप से एक भ्रूण जैसी किसी चीज का आधार बनाने के लिए उनमें हेरफेर किया। यह कोई वास्तविक या सिंथेटिक भ्रूण नहीं है, बल्कि यह एक मॉडल है जो दर्शाता है कि कोई कैसे काम करता है। हन्ना के मुताबिक, उनका अगला लक्ष्य 21वें दिन तक आगे बढ़ना और 50 फीसदी सफलता दर की सीमा तक पहुंचना है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में विकास और स्टेम सेल के प्रोफेसर मैग्डेलेना सेर्निका-गोएट्ज ने कहा कि अध्ययन इस साल दुनिया भर की टीमों से प्रकाशित छह अन्य समान मानव भ्रूण जैसे मॉडलों में शामिल हो गया है, जिसमें उनका क्लिनिकल भी शामिल है।

पिछले साल ही अमेरिका और इस्राइल के वैज्ञानिकों ने बिना नर या मादा का प्रयोग किए, प्रयोगशाला में चूहों का भ्रूण तैयार कर लिया था। इसे 'डॉली' भेड़ के पैदा होने जितनी अहम खोज माना गया था। चूहे का यह कृत्रिम भ्रूण बनाने में न नर चूहे का स्पर्म लिया गया और न मादा चूहे के अंडाणु या गर्भाशय। प्रयोगशाला में बनाए गए ये चूहों के भ्रूण बिल्कुल वैसे हैं जैसे कुदरती रूप से गर्भधारण के बाद साढ़े आठ दिन के भ्रूण दिखते हैं। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि भविष्य में उन्हें अपने प्रयोगों के लिए प्रयोगशालाओं में असली जानवरों को कत्ल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वे यूं कृत्रिम रूप से बनाए गए जीवों पर ही शोध कर सकेंगे। कृत्रिम मानव भ्रूण का विकास एक बड़ी सफलता है लेकिन यह कई सवाल भी खड़े करती है। बड़ी चिंता इस बात को लेकर है कि भ्रूण अनुसंधान जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह भगवान की भूमिका निभाने जैसा है। इस अनुसंधान में यही सबसे बड़ी दुविधा है कि जो सबसे अच्छे रिसर्च मॉडल होते हैं, वे असली के एकदम नजदीक पहुंच जाते हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में बॉयोसाइंस में एथिकल, लीगल, और सोशल मामलों से जुड़े जानकार हैंक ग्रीली कहते हैं कि वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए आप जितना संभव हो सके, उतना अपने मॉडल को वास्तविक बनाना चाहते हैं लेकिन जैसे ही वास्तविकता के नजदीक पहुंचते हैं, वैसे ही नैतिक समस्याएं या पहलू आपको दूर करने लगते हैं। देखा जाए तो हूबहू इंसानों की तरह का भ्रूण अपने आप में बड़ी बात है।

इसी मुद्दे पर पिछले दिनों कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में डेवेलपमेंटल बॉयोलॉजिस्ट जर्निका गेट्ज का एक शोध नेचर जर्नल में प्रकाशित हुआ था। शोध के नतीजे प्रकाशित होने पर गेट्ज का कहना था, 'हमारा लक्ष्य जीवन निर्माण करना नहीं है।' इस शोध से इंसान के विकास में इस ब्लैक बॉक्स पीरियड के बारे में और जानने का मौका मिलेगा। कुल मिलाकर लैब में विकसित किया दो हफ्ते का मानव भ्रूण बनाना एक बड़ी सफलता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस सफलता से कृत्रिम गर्भाधान के उपचार को बेहतर करने में मदद मिलेगी। यह प्रजनन संबंधी दवा के क्षेत्र में प्रगति में भी सहायक होगा। लेकिन लैब में विकसित मानव भ्रूण मॉडल के सख्त नियमन की जरूरत भी है। वास्तव में इस संवेदनशील मुद्दे पर व्यापक बहस की जरूरत है।

खांसी के इलाज में रामबाण है शहद

शहद का इस्तेमाल स्किन केयर के लिए खूब किया जाता है। साथ ही सर्दियों के मौसम में खांसी, कफ, गला खराब होने पर इसका सेवन करना काफी फायदेमंद साबित होता है। बदलते मौसम में शहद का सेवन करने से इन समस्याओं से बचा जा सकता है। औषधीय गुणों का खजाना शहद कई प्रकार में उपलब्ध होता है। इसमें आयरन, पोटैशियम, जिंक, कार्बोहाइड्रेट, मैग्नीशियम, मैंगनीज, कॉपर, फॉस्फोरस, फोलेट आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। शहद मूलतः शुद्ध चीनी है, जिसमें कोई वसा नहीं होती और केवल थोड़ी मात्रा में प्रोटीन और फाइबर होता है। हेल्थलाइन के अनुसार, जानते हैं शहद खाने के सेहत लाभ के बारे में।

खांसी, कफ की समस्या को ठीक करने में कारगर

मौसम बदलने के कारण बच्चों से लेकर बुजुर्गों में खांसी, सर्दी के कारण सीने में काफी कफ जमा हो जाता है। गला बैठने की समस्या हो जाती है। रेस्पिरेटरी इंफेक्शन के कारण कफ होना बच्चों में एक कॉमन समस्या है। सर्दियों के मौसम में ये समस्याएं काफी होती हैं। इससे बच्चों को रात में सोने में काफी तकलीफ होती है। कई शोध में पाया गया है कि खांसी, कफ की समस्या को शहद ठीक करने में बेहद कारगर है। साथ ही शहद देने से कफ होने के बावजूद भी बच्चों में स्लीप क्वालिटी में सुधार हो सकता है। शहद का कोई नुकसान भी नहीं होता है। एक साल से कम उम्र के शिशु को शहद ना दें।

शहद घावों को भरता है

यदि आपको कोई घाव हो गया है, चोट लग गई है या त्वचा हल्की से कहीं जल गई है तो आप शहद का इस्तेमाल कर सकते हैं। शहद में मौजूद कम्पाउंड घाव को जल्दी भरने में कारगर होते हैं। साथ ही इसमें एंटी-इंफेक्शन, एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटीइंफ्लेमेटरी और घव को जल्दी भरने वाले तत्व होते हैं। त्वचा के जल जाने पर जलन को कम करने के लिए आप शहद लगाकर देखें, इससे स्किन बर्निंग के दौरान होने वाली जलन से राहत मिल सकती है। अधिक जल गया हो तो डॉक्टर से मिलना ही बेस्ट विकल्प है।

वजन कम करने में है मददगार

आलस के कारण सर्दियों में कुछ लोगों का वजन बढ़ने लगता है। यदि आपका वजन बढ़ रहा है तो भी आप शहद का सेवन करके देख सकते हैं। शहद में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो वजन को बढ़ने से रोक सकते हैं। दरअसल, शहद में एंटीओबेसिटी असर होता है। कुछ लोग गर्म पानी में शहद, नींबू का रस मिलाकर पीते हैं ताकि वजन ना बढ़े।

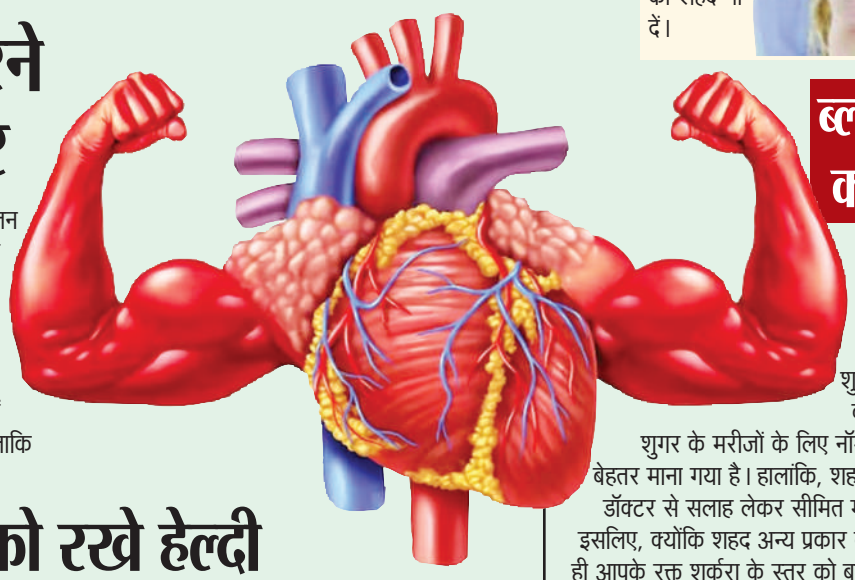

दिल को रखे हेल्दी

यदि आप नहीं चाहते हैं कि आपको कम उम्र में ही हार्ट डिजीज घेर ले, आपका हृदय रोग ग्रस्त हो जाए, तो आप डाइट में शहद को शामिल कर सकते हैं। शहद खाने से हृदय रोग होने की संभावनाओं को रोका जा सकता है। शहद रक्तचाप को कम करने, रक्त में वसा के स्तर में सुधार करने, आपके दिल की धड़कन को नियंत्रित करने और स्वस्थ कोशिकाओं को मरने से बचाने में बेहद कारगर है। ये सभी कारक हृदय की कार्य क्षमता और स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं। ठंड के मौसम में कुछ लोगों में हार्ट की समस्याएं देखने को मिलती हैं। आप शहद को डाइट में शामिल करके, हार्ट हेल्दी रख सकते हैं।

ब्लड शुगर करे मैनेज

यदि आपको डायबिटीज है तो नॉर्मल शुगर के सेवन की बजाय शुद्ध शहद का सेवन कर सकते हैं। यह शुगर के मरीजों के लिए नॉर्मल चीनी से थोड़ा बेहतर माना गया है। हालांकि, शहद का सेवन अपने डॉक्टर से सलाह लेकर सीमित मात्रा में करें। ऐसा इसलिए, क्योंकि शहद अन्य प्रकार की चीनी की तरह ही आपके रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ाता भी है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मेटाबॉलिक सिंड्रोम और टाइप 2 मधुमेह से बचाने में मदद कर सकते हैं। शोध में पाया गया है कि शहद एडिपोनेक्टिन के स्तर को बढ़ा सकता है। यह एक हार्मोन है, जो सूजन कम करता है और ब्लड शुगर रेगुलेशन में सुधार करता है। प्रतिदिन शहद के सेवन से टाइप 2 डायबिटीज वाले लोगों में तेजी से रक्त शर्करा के स्तर में सुधार हो सकता है।

हंसना मना है

दांत का डॉक्टर: आपका दांत निकालना पड़ेगा क्योंकि ये सड़ चुका है। राजू: हां तो कितने पैसे लगेंगे ? दांत का डॉक्टर: बस 500 रुपये लगेंगे। राजू: 50 रुपये ले लो और थोड़ा सा ढीला कर दो, निकाल तो मैं खुद लूंगा।

बीवी ने पति का मोबाइल चेक किया और उसकी तरफ घूरते हुए पूछा: ये छगन हलवाई क्यों पूछ रहा है कि खाना खाया या नहीं?

डॉक्टर: चश्मा किसके लिए बनवाना है? बब्लू: टीचर के लिए। डॉक्टर: पर क्यों? बब्लू: क्योंकि उन्हें मैं हमेशा गधा ही नजर आता हूं।

पूजा के समय पत्नी ने पति से पूछा पत्नी: सुनो जी आपको आरती याद है न? पति: हां।.. वो पतली सी, वही न? इसके बाद भगवान की बाद में, पति की पूजा पहले हुई।

लड़की का एक्सीडेंट हो गया। डॉक्टर: आपके पैर खराब हो गए हैं। लड़की: क्या ये सही नहीं होंगे? डॉक्टर: नहीं इनको काटना पड़ेगा। लड़की: ओह! नो अब मैं क्या करुंगी? डॉक्टर : धीरज रखिए। ईश्वर सब ठीक करेगा।लड़की : अरे मुझे उसकी टेंशन नहीं है। दरअसल मैंने कल ही नया सैंडल खरीदा है, और उस दुकान पर लिखा था: बिका माल वापस नहीं होगा।

कहानी — उजाले की ओर

दिवाली की सुबह अनीता अपने जमा किए हुए पैसों को छिपा कर गिन रही थी। उस के पास चौदह सौ रूपये जमा हो चुके थे। अपने पास इतने रूपये देखकर उस की आँखे चमक उठीं। उस के सामने रंग बिरंगे अनार, इंद्रधनुषी फुलझड़ियां और आसमान में बिखरती हवाइयां झिलमिलाने लगी। तभी साथ वाले कमरे में उसे छोटू का जिद भरा स्वर सुनाई पड़ा। वह मां से कह रहा था, मिझे पूरे पांच सौ रुपए चाहिए। दो सौ रुपए का तो एक ही पैकेट आता है। मां कह रही थी, दोपहर तक तेरे पापा आ जाएंगे। वह बाजार से बहुत सी आतिशबाजी लेते आएंगे। नहीं, मैं अपने लिए खुद खरीदूंगा, छोटू अड़ गया था। माँ ने हार कर उसे पांच सौ रुपए दे दिए। अनीता जब रसोई में गई तो माँ ने उसे के हाथ में दो सौ रुपए पकड़ा कर कहा, यह ले अनीता, तू भी अपने लिए कुछ खरीद लेना। मेरे पास यही दो सौ रुपए बचे थे। अनीता पहले तो यह सोचने लगी कि मेरे हिस्से में दो सौ रुपए ही आए, जबकि छोटू को पांच सौ रुपए मिल गए, लेकिन फिर उस ने सोचा, चलो, वह मुझ से छोटा है । जिद कर के पांच सौ रुपए ले लिए, फिर भी मेरे पास अब पूरे सोलह सौ रुपए हो गए। माँ के पास तो रुपए समाप्त हो गए हैं, पाप आएंगे तब शायद कुछ रुपए मिल जाएं। तभी मोबाइल बज उठा। मोबाइल पर बात करते हुए उन के चेहरे पर परेशानी झलक रही थी। क्या बात है माँ? अनीता ने पूछा। माँ ने जवाब दिया तुम्हारे पापा का फोन था, वह किसी कारण वश आज नहीं आएंगे। अनीता का मन भी इस खबर से मुरझा गया। तब तो दिवाली का मजा नहीं आएगा, उसने सोचा, माँ के पास पैसे भी नहीं बचे हैं, मिठाई और दिए कहाँ से आएंगे? छोटू आँगन में था। वह हवाई उड़ाने के लिए खाली बोतल जमीन में गाड़ रहा था। अनीता ने उस के पास जाकर सब कुछ बताया और पूछा, अब क्या करें? छोटू को यह प्रश्न बहुत अटपटा लगा। वह अपने खेल में व्यस्त रहा। माँ बाहर आ कर बोली कहीं जाना मत । मैं तुम्हारी चाची के यहां जा रही हूँ। अनीता के नन्हे मस्तिष्क को यह समझते देर नहीं लगी कि माँ रुपए उधार लेने जा रही हैं। वह सोचने लगी, आंटी ने रुपए नहीं दिए तो माँ कहाँ-कहाँ मांगती फिरेंगी? माँ चली गई तो उस ने छोटू से कहा, मैंने चौदह सौ रुपए जमा किए हैं, दो सौ रुपए माँ ने दिए और तुम्हारे पास पांच सौ रुपए हैं। सब मिलाकर 21 सौ रुपए हो जाएंगे। हम अपने लिए पांच सौ रुपए की आतिशबाजी और मोमबत्तियां खरीदेंगे। मिठाई घर पर बनाएंगें। उसके लिए समान बाकी रुपयों से खरीद लेंगे, बोलो, मंजूर है? छोटू चिंता में पड़ गया। अनीता ने जल्दी से कहा, माँ अभी रास्ते में होंगी। वह रुपए उधार लेने गई हैं। छोटू अभी फैसला कर ही रहा था कि उसे सामने वाले घर से अपने सहपाठी किशन की आवाज सुनाई दी, छोटू, चलो, हम पटाखे लेले जा रहे हैं। रुपए लेकर आ जाओ। छोटू का हाथ जेब में पड़े पांच सौ के नोट तक चला गया, जिससे वह सिर्फ अपने लिए आतिशबाजी खरीदना चाहता था। उस ने सामने खड़े किशन को देखा, फिर बहन के बड़े हुए हाथ को देखकर अनायास ही अपना हाथ बहन को पकड़ा दिया । दोनों उस रास्ते पर चले दिए, जिस पर अभी-अभी माँ गई थी ।

इस कहानी से हमे ये सीख मिलती है कि छोटी-छोटी बचत ही समय पर बहुत काम आती है ।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। लोगों का भरोसा आप पर बना रहेगा। आपकी ईमानदारी से लोग प्रेरणा लेंगें। महिलाएं घर के काम से जलद ही राहत पा लेंगी।

वृषभ

आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आप सोशल मीडिया के जरिए सामाजिक कार्यों में सहयोग देंगें ।शिक्षकों की मदद से विद्यार्थीयो का कोई प्रोजेक्ट पूरा हो सकता हैं।

मिथुन

आज आपके कोर्ट-कचहरी के मामले थोड़े अटक सकते हैं, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आप जो भी व्यापार शुरू करेंगें, उसमें सफलता हासिल होगी।

कर्क

आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी समझदार व्यक्ति से सलाह जरूर लें, अन्यथा आपका पैसा फंस सकता है।

सिंह

आज जो भी काम शुरू करेंगे वो समय पर पूरा हो जायेगा । आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिल सकते हैं। नयए व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा।

कन्या

आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। हर कोई आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा । किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है।

तुला

आज का दिन मिली-जुली प्रतीक्रिया वाला रहेगा। आज किसी दूर के भाई-बहन से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा फील होगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

वृश्चिक

आज अकारण शुरू हुई बाधाएं पूरी तरह से समाप्त हो जायेंगी। आज आपको ननिहाल पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

धनु

आपके मन में बहुत दिनों से कोरोबार को लेकर कोई योजना चल रही है, तो आज आप उस योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। आपको कोई बड़ा लाभ मिल सकता है।

मकर

आज आपका दिन पहले से ज्यादा फायदा दिलाने वाला रहेगा। आपको दूसरों से प्रेरणा लेकर काम करने की जरूरत है। आज बोलने से ज्यादा आपको काम पर ध्यान देना चाहिए।

कुम्भ

आज आर्थिक तौर पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। अगर आप कोई बिजनेस करते हैं, तो आपको उसे बढ़ाने के लिए थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है। लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा।

मीन

ऑफिस के किसी सहकर्मी के साथ वाद विवाद की स्थिति बन सकती है, आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की जरुरत है। बच्चों को अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखना चाहिए।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं बचपन में सेक्सुअल हैरसमेंट का शिकार हुई : शेफाली शाह

शेफाली शाह फिल्मी दुनिया में एक लंबा सफर तय कर चुकी हैं। उन्होंने अपने हर किरदार से अपना लोहा मनवाया है। अपने बेहतरीन काम की वजह से ही आज शेफाली को दुनियाभर में एक खास पहचान हासिल हो चुकी हैं। हालांकि, इस बार एक्ट्रेस अपने एक बयान की वजह से अचानक सुर्खियों में आ गई हैं। दिल्ली क्राइम एक्ट्रेस ने खुद के साथ हुई छेड़खानी की घटना के बारे में बात करते हुए कहा कि वह खुद बचपन में सेक्शुअल हैरेसमेंट का शिकार हो चुकी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस को दिल्ली क्राइम-2 में अपनी धाकड़ परफॉरमेंस के लिए उन्हें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नॉमिनेट किया गया है। इसी दौरान एक्ट्रेस ने अपने साथ हुई छेड़खानी की घटना के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा, एक दिन मैं स्कूल से वापस लौट रही थी तभी मुझे किसी ने गलत तरीके से छुआ और मुझे वह बेहद घिनौना लगा। उस वक्त मैं कुछ कर नहीं पाई थी। मुझे बहुत बुरा महसूस हो रहा था ऐसा भी नहीं था की मैं गिल्टी महसूस कर रही थी, बल्कि मुझे बेहद शर्म आ रही थी। शेफाली ने आगे कहा कि वह बहुत छोटी थीं और डरी हुई थीं लेकिन वहां मौजूद भीड़ में से किसी ने उनकी कोई मदद नहीं की थी। एक्ट्रेस ने बोला कि उन्हें लगता है कि हर महिला कभी न कभी ऐसी सिचुएशन से गुजर चुकी हैं। उन्होंने बताया, ऐसे घटना के बाद कई बार आप खुद ही को दोष देने लगते हैं कि शायद ये सब आपकी गलती से हुआ पर ऐसा नहीं होता है। आपको उस घटना को याद करके शर्म आती है, आपको लगता है कि कैसे भी करके आओ बस उस घटना को भूल जाओ। इस बात को आप अंदर हे दबा देते हैं बस। मैं अपनी बात करूं तो मैंने कभी उस घटना को इतनी तवज्जो नहीं दी कि इस पर बात की जाए।

वायुसेना दिवस पर कंगना की तेजस का ट्रेलर हुआ रिलीज

कंगना रनौत स्टारर तेजस का टीज़र बड़े पर्दे पर आने वाले रोमांचक एक्शन और रोमांच की झलक पेश करता है। इसने पूरे देश में मौजूद दर्शकों के उत्साह को बड़ा दिया था। ऐसे में दर्शकों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया के आधार पर, निर्माताओं ने घोषणा की थी कि वह फिल्म के ट्रेलर को 8 अक्टूबर, 2023 को वायु सेना दिवस के अवसर पर रिलीज़ करेंगे और वह दिन आ गया है, क्योंकि निर्माताओं ने फिल्म के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर को आखिरकार रिलीज कर दिया है।

निर्माताओं ने वायु सेना दिवस पर ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें कंगना रनौत को प्रखर, जोश से भरे और शक्तिशाली वायु सेना पायलट तेजस गिल के रूप में दिखाया गया है। हाई लेवल के हवाई सीन्स के साथ शुरुआत और दिल को जीतने वाले डॉयलोग Bharat Ko Chhedoge Toh ChhodengeNahi, की विशेषता वाले ट्रेलर ने तुरंत ध्यान खींचता है।

एक अच्छी तरह से बनाए हुए साउंडट्रैक और प्रभावशाली विजुअल इफेक्ट्स के साथ, ट्रेलर एक विजुअल स्पेक्टिकल है जो दमदार डायलॉग्स के साथ देशभक्ति की भावना पैदा करता है।

ट्रेलर में वीर वायु सेना पायलट के रूप में कंगना स्क्रीन पर राज करती नजर आ रही हैं, असल में गंभीर और बहादुर किरदार को चित्रित करते हुए, एक्ट्रेस फिल्म के लिए सफलतापूर्वक उत्साह पैदा करती हैं, जो 27 अक्टूबर 2023 को रिलीज होने वाली है।

आरएसवीपी द्वारा निर्मित, तेजस में कंगना रनौत मुख्य भूमिका में हैं। सर्वेश मेवाड़ा द्वारा लिखित और

निर्देशित और रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित, यह फिल्म 27 अक्टूबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रिया चक्रवर्ती की मुरीद हुईं सामंथा रुथ प्रभु

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को मीडिया ट्रायल का सामना करना पड़ा था। उनपर एक्टर को आत्महत्या के लिए उकसाने से लेकर ड्रग्स देने व काला जादू करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। इन सब से लड़कर आज रिया अपने करियर में आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में उनको फैंस और हस्तियों का सपोर्ट मिल रहा है। एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने रिया चक्रवर्ती को हीरो बताया है। सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रिया के इंटरव्यू का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह उस समय के बारे में बात करती नजर आ रही थीं, जब दिवंगत एक्टर की मौत के बारे में जांच चल रही थी। क्लिप में उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत मामले की जांच के दौरान अपने परिवार के सदस्यों से मिली ताकत के बारे में बात की।

वीडियो में, रिया ने अपनी ताकत के बारे में बात की, जो उन्हें उनके परिवार से मिली है। उन्होंने कहा कि उनके पिता सेना में थे और उन्होंने उन्हें स्थिति से निपटने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन दिया।

उन्होंने बताया कि उनकी मां, पिता, भाई और उनके दोस्त जो उनके साथ खड़े रहे, वे उनकी लड़ाई के प्रमुख हथियार हैं। वीडियो शेयर करते हुए रिया ने लिखा, फौजी की बेटी। सामंथा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, हीरो रिया चक्रवर्ती। रिया ने इसे इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दोबारा शेयर करते हुए लिखा, राइट बैक एट यू

अजब-गजब | इतना छोटा देश कि दो घंटे में घूम सकते हैं पैदल

इस देश के हर नागरिक को तीन साल देनी होती है सेना में सेवा, महिलाएं भी लेकर चलतीं हैं बंदूकें

दुनिया की कुछ सबसे मजबूत सेनाओं वाले देश में शुमार इज़रायल जितना देखने और घूमने में खूबसूरत देश है, उतना ही बेहतरीन इस देश का मैनेजमेंट भी रहा है। दुनिया के कुछ सबसे नए देशों में शुमार इज़रायल को बने हुए 74 साल का वक्त ही गुजरा है लेकिन विश्व में इसकी अपनी पहचान है। खासतौर पर अपने डिफेंस सिस्टम के लिए ये देश जाना जाता है।

इस वक्त भले ही इजरायल के डिफेंस सिस्टम में हुई जरा सी चूक का हर्जाना उसे युद्ध के तौर पर चुकाना पड़ रहा है लेकिन यहां की खुफिया एजेंसी मोसाद दुनिया भर में अपने कठिन ऑपरेशनों की वजह से जानी जाती रही है। इस देश का क्षेत्रफल इतना कम है कि 3 इज़रायल मिलाकर भी राजस्थान की बराबरी नहीं कर सकते। इज़रायल ऐसा देश है, जिसका क्षेत्रफल इतना कम है कि पूर्व से पश्चिम इसे पैदल ही 2 घंटे में घूमा जा सकता है। हालांकि ऊपर से नीचे घूमने में इसे 9 दिन लगते हैं। चलिए आपको बताते हैं, यहां से जुड़े हुए कुछ और दिलचस्प तथ्य।

इज़रायल की जनसंख्या अब तक 1 करोड़ भी नहीं है। साल 2021 की जनगणना के मुताबिक यहां तकरीब 93 लाख लोग रहते हैं। इज़रायल में

महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार हैं। यहां तक कि इजरायल की सेना में भी महिलाओं और पुरुषों की भागीदारी बराबर की है। दुश्मनों से घिरे हुए देश होने के नाते यहां के हर नागरिक के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग ज़रूरी है और उसे 3 साल अपनी सेवाएं सेना में देनी ही होती हैं। इज़रायल में महिलाओं को अपने साथ बड़ी-बड़ी एसॉल्ट राइफल्स लेकर घूमते हुए देखा जा सकता है। ये उनकी और किसी भी वक्त नागरिकों की सुरक्षा के लिए होती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी मिल जाएंगी। इज़राइल देश भले ही छोटा हो लेकिन तकनीक के मामले में इसका कोई जवाब नहीं है। इसने साल 1979 में दुनिया का पहला एंटीवायरस बनाया था और घरेलू कंप्यूटर के इस्तेमाल में ये दुनिया का अव्वल देश है। पहली वॉइस मेल तकनीक भी इज़राइल में बनी थी और यहां 95 फीसदी घरों पानी सोलर एनर्जी से गर्म होता है। इस देश ने पहला ड्रोन तैयार किया था और यहां की नोटों पर ब्रेल मार्किंग होती है, ताकि अंधे लोग भी इसे पहचान सकें। दुनिया में सबसे ज्यादा प्लास्टिक की बोतलों को रिसाइकिल भी इज़राइल ही करता है। इज़राइल देश भले ही छोटा हो लेकिन तकनीक के मामले में इसका कोई जवाब नहीं है। इसने साल 1979 में दुनिया का पहला एंटीवायरस बनाया था और घरेलू कंप्यूटर के इस्तेमाल में ये दुनिया का अव्वल देश है। पहली वॉइस मेल तकनीक भी इजराइल में बनी थी और यहां 95 फीसदी घरों पानी सोलर एनर्जी से गर्म होता है। इस देश ने पहला ड्रोन तैयार किया था और यहां की नोटों पर ब्रेल मार्किंग होती है, ताकि अंधे लोग भी इसे पहचान सकें। दुनिया में सबसे ज्यादा प्लास्टिक की बोतलों को रिसाइकिल भी इजराइल ही करता है।

क्या आप जानते हैं 5 स्टार और सात स्टार होटल के बीच का फर्क ?

हमारी जिंदगी में हम ऐसे कई टर्म्स को रोज़ाना सुनते हैं, जिनके बारे में पूरी जानकारी भी नहीं होती है। बस सुनी-सुनाई बातों को हम बोलते हैं लेकिन इनके बीच का सही फर्क पता नहीं होता है। ऐसे में कई बार हमें इसका ख़ामियाज़ा भी भुगतना पड़ जाता है। चलिए आपको सफर और लॉज से जुड़े हुए ऐसे ही 2 होटल टर्म्स के बीच का फर्क समझाते हैं, जो ज्यादातर लोगों को पता नहीं होता।

अगर रोज़ाना बोले जाने वाले होटल-मोटल और रिसॉर्ट जैसे शब्दों का सही मतलब लोगों को नहीं पता होता है तो होटलों में भी 3 स्टार, 4 स्टार, 5 और 7 स्टार्स के बीच का अंतर भी कम ही समझ में आता है। तो चलिए आज इसी के बारे में जानते हैं, ताकि आगे आप कभी इसके बीच भ्रमित नहीं हों और अपनी ज़रूरत के मुताबिक ही होटल चुनें।

हर होटल को अपनी सुविधाओं के लिहाज से रेटिंग दी जाती है। अब अगर कोई वन स्टार होटल में ठहरता है तो यहां रहने की व्यवस्था साधारण होती है और कीमत भी गेस्ट के लिए ज्यादा नहीं होती। सुविधाओं में यहां टॉयलेटरीज और गर्म-ठंडे पानी की व्यवस्था दी जाती है। 2 स्टार होटल में गेस्ट को वन स्टार होटल की सुविधाओं से थोड़ी और सुविधाएं मिलती हैं। इनकी कीमत भी थोड़ी ज्यादा होती है। 3 स्टार होटल में किराया 2000 तक होता है और कमरे का साइज थोड़ा बड़ा होता है। इसमें रूम्स एसी वाले होते हैं और गेस्ट को इंटरनेट और पार्किंग भी मिलती है। 4 स्टार होटल में सुइट रूम होते हैं और बाथरूम में बाथटब की सुविधा दी जाती है। इसमें मिनी बार और फ्रिज भी मिलता है। फिर नंबर आता है 5 स्टार होटलों का। यहां अन्य होटलों से ज्यादा सुविधा मिलती है। इसमें जिम और स्विमिंग पूल भी मिलता है और कमरा बड़ा होता है। इनका किराया भी 5-6 हज़ार तक होता है। दुनिया में बहुत कम ही होटल हैं, जो 7 स्टार हैं। जो होटल खुद को 7 स्टार कहते हैं, इनमें 5 स्टार होटल से कई ज्यादा लग्जुरियस सुविधाएं होती हैं। भारत में सिर्फ आगरा का ताज फलकनुमा पैलेस 7 स्टार होटल है। होटल की रेटिंग सुविधाओं के अनुसार दी जाती है, जैसे रूम, बाथरूम, लॉबी, रेस्तरां, खाना, हेल्थ क्लब, स्विमिंग पूल आदि पर आधारित होती है। पर्यटन विभाग की एक कमेटी होटल का दौरा करके इसे सुविधाओं के आधार पर रेट करता है।

भाजपा की चौथी सूची में वही जो भ्रष्टाचारी हैं : कमलनाथ

बोले- लड़ाई से पहले भाजपा ने हार मान ली

विश्वास व विश्वासघात के बीच चुनावी लड़ाई : वीडी शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में चुनावी की तारीखों के एलान के साथ ही सियासी बयानबाजी से पारा चढ़ता जा रहा है। सोमवार को भाजपा ने अपनी चौथी सूची में 57 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए। इसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह समेत 25 मंत्रियों को चुनाव मैदान में उतारा है। इस पर पीसीसी चीफ कमलनाथ ने तंज कसा।

पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भाजपा की चौथी सूची में एकबार फिर वही चेहरे मैदान में हैं जिन्हें मध्यप्रदेश की जनता भ्रष्टाचार का प्रतीक मानती है। इन थके हारे चेहरों से जनता बोर हो चुकी और अपना पिंड छुड़ाना चाहती है। भाजपा ने इन्हें आगे करके लड़ाई से पहले हार मान ली है। यह चुनाव की तैयारी नहीं, विदाई की तैयारी है। यह चुनाव जनता का विश्वास जीतने वाली भाजपा बनाम विश्वासघात करने वाली कांग्रेस के बीच है।

मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की सरकार ने प्रदेश को बीमारू मध्य प्रदेश से विकसित राज्य बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की डबल इंजन वाली सरकार लोगों का जीवन बदलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता हमारी ताकत है, जो प्रत्येक बूथ पर सजग प्रहरी की तरह तैनात है। विकास और गरीब कयाण के जो काम हमारी सरकारों ने किए हैं, उसके आधार पर प्रदेश की जनता हमें आशीर्वाद देगी और अब तक की सर्वाधिक सीटें जीतकर भाजपा इतिहास रचेगी। इस बार प्रदेश में कमल दीवाली मनेगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव जनता का विश्वास हासिल करने वाली भाजपा बाम विश्वासघात करने वाली कांग्रेस के बीच है।

कांग्रेस की गारंटी झूठी और सपने हकीकत से दूर : भूपेंद्र

भोपाल। पूरा देश इस बात को जानता है कि जनगणना करने का कार्य केंद्र सरकार का है। जनगणना से राज्य सरकारों का कोई लेना देना नहीं है। यह हकीकत उन दलों और नेताओं को भी पता है जो जातिगत जनगणना को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं।

लेकिन कांग्रेस झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति से बाज नहीं आ रही है। कांग्रेस का रिकॉर्ड खराब है, उसकी गारंटी झूठी है और सपने हकीकत से दूर हैं। यह बात केंद्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव ने आज मीडिया से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना के बारे में कांग्रेस का बयान उसका एक और झूठ ही है। पूरा देश जानता है कि देश में जब मंडल आयोग की बात संसद में आई थी तो स्व. राजीव गांधी ने उसका विरोध किया था। यह बात पॉर्लियामेंट के रिकॉर्ड में दर्ज है। 50 के दशक में जब काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट आई और 80 के दशक में मंडल आयोग की रिपोर्ट आई तो कांग्रेस की सरकारों ने उन्हें भी दबा दिया और लागू नहीं होने दिया। देश इस बात को भी जानता है कि जिस समय राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष और सांसद थे और देश में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार थी, तब ओबीसी समाज के द्वारा जो संवैधानिक आयोग बनाने की मांग की गई थी, उसे भी कांग्रेस की सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया था। यादव ने कहा कि मैं राहुल गांधी से यह पूछना चाहूंगा कि अगर उनको ओबीसी से इतना प्रेम है तो वह यह बताएं कि 1950 से लेकर 1992 तक इस देश के नौजवानों को ओबीसी का रिजर्वेशन क्यों नहीं मिला?

आप विधायक अमानतुल्लाह पर ईडी का शिकंजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» दिल्ली में खान के घर छापेमारी की कार्रवाई

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के विधायकों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार की सुबह-सुबह एक और विधायक के घर ईडी की टीम पहुंची है और जांच कर रही है। सूत्रों से यह जानकारी मिली है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मंगलवार की सुबह आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा है। खान के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई चल रही है।

गौरतलब है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आप विधायक अमानतुल्लाह के खिलाफ दिल्ली वक्फ बोर्ड के कामकाज में वित्तीय हेराफेरी और अन्य अनियमितताओं से जुड़े मामले केस दर्ज कराया था। इसी मामले में ईडी ने अमानतुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई की है। अमानतुल्ला खान पर आरोप है कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में काम करते हुए उन्होंने 32 लोगों को नियमों का उल्लंघन करते हुए भर्ती किया था। आरोप था कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में आप विधायक ने भ्रष्टाचार और पक्षपात किया था इसके अलावा, अवैध रूप से दिल्ली वक्फ बोर्ड की कई संपत्तियों को किराये पर दिया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने बोर्ड के धन का भी दुरुपयोग किया है, इसमें दिल्ली सरकार से मदद अनुदान शामिल है।

फोटो : 4पीएम

समझौता संगीत नाटक अकादमी में संस्कृति विभाग और राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के मध्य एक समझौता ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा मौजूद रहे। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

बेसिक शिक्षकों के आगे झुका शासन, वार्ता को तैयार

गीताश्री

लखनऊ। शिक्षकों के धरने के बाद सहमति बनी हे की उनकी मांगों पर 16 अक्टूबर को शासन में वार्ता होगी। गौरतलब हो कि सोमवार को तीन घंटे बाद भी महानिदेशक स्कूल शिक्षा एक बजे तक कार्यालय नहीं आए। इससे नाराज शिक्षक नेताओं ने मंच से घोषणा की, कि यदि वह वार्ता के लिए नहीं आते हैं तो शिक्षक विधानसभा कूच करेगा। इसके बाद तुरंत महानिदेशक पहुंचे और महासंघ के प्रतिनिधियों को बुलाकर वार्ता की।

वार्ता में उपार्जित अवकाश, जिले के अंदर परस्पर स्थानांतरण, निशुल्क चिकित्सा सुविधा आदि सभी बिंदुओं पर वार्ता हुई और सहमति बनी की मांगों पर 16 अक्टूबर को शासन में वार्ता होगी। इसके बाद शासन आदेश जारी करेगा।

शिक्षकों की ये प्रमुख मांग है जिसमें पुरानी पेंशन बहाली, राज्य कर्मचारियों की भांति उपार्जित अवकाश, दूसरे शनिवार को अवकाश, प्रतिकर अवकाश, कैशलेस चिकित्सा, हर विद्यालय में प्रधानाध्यापक की पदोन्नति व तैनाती, शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान, 10 लाख रुपए का सामूहिक बीमा, जिले के अंदर व बाहर पारस्परिक स्थानांतरण, माध्यमिक शिक्षकों की सेवा सुरक्षा संबंधित धारा 21 को शिक्षा सेवा चयन आयोग में शामिल किया जाए। ज्ञात हो कि 21 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश भर के बेसिक व माध्यमिक शिक्षकों ने उत्तर प्रदेश शिक्षक महासंघ के बैनर तले महानिदेशक स्कूल शिक्षा पर धरना-प्रदर्शन किया। इसमें शामिल होने के लिए बसों से शिक्षक पहुंचे तो निदेशालय के आस-पास जाम लग गया। धरने में शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा की महानिदेशक भ्रम फैलाते हैं कि सरकार शिक्षकों से नाराज है, इसलिए शिक्षकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। इसी भ्रम में विभागीय अधिकारी, शिक्षकों को अपमानित व उत्पीड़न कर रहे हैं। महानिदेशक हर दिन शिक्षकों को नुकसान करने वाले निर्देश जारी करते हैं।

विश्वकप की अंकतालिका में कीवी टीम शीर्ष पर

» दूसरे पर दक्षिण-अफ्रीका व तीसरे पर पाकिस्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप में अभी तक 6 मैच हो चुके हैं। मैच बांग्लादेश और इंग्लैंड के बीच व दूसरा मैच में पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। जैसे-जैसे वर्ल्ड कप आगे बढ़ता जा रहा है, इसका रोमांच भी उसी तरह बढ़ता जा रहा है।

अंक तालिका में अभी तक टॉप-4 में न्यूज़ीलैंड, दक्षिण फ्रीका, पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीम मौजूद है। न्यूजीलैंड की टीम अपने शुरुआती दोनों मैचों में जीत हासिल करके 4 अंक और +1.958 की नेट रन रेट के साथ नंबर-1 पर बनी हुई है। दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम है, जिसने श्रीलंका के खिलाफ वनडे वर्ल्डकप इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाकर मैच जीता था। और 2 अंकों के साथ-साथ +2.040 का एक बेहतरीन नेट रन रेट भी हासिल किया था। तीसरे नंबर पाकिस्तान की टीम है , जिसने नीदरलैंड के खिलाफ पहला मैच जीतकर 2 अंक हासिल किए थे, अब आज पाकिस्तान का दूसरा मैच श्रीलंका के साथ खेला जाना है।

इस लिस्ट में चौथे नंबर पर बांग्लादेश की टीम है, जिसने अपने पहले मैच में अफगानिस्तान को हराकर 2 अंक हासिल किए थे। आज बांग्लादेश का दूसरा मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेला जाएगा।

पांचवे नंबर पर मौजूद इंडियन टीम

वर्ल्डकप की अंक तालिका में भारत अभी पांचवे स्थान पर मौजूद है, जिसने अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर 2 अंक और +0.883 का नेट रन रेट हासिल किया था। वहीं, भारत के बिल्कुल बाद छठे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है, जिनका अंक तालिका में अभी तक खाता तो नहीं खुला है, लेकिन नेट रन रेट बाकी टीमों से बेहतर है। इनके बाद सातवें, आठवें और नौवें नंबर पर शून्य अंकों के साथ क्रमशः अफगानिस्तान, नीदरलैंड और श्रीलंका की टीम मौजूद ह। वहीं, आखिरी यानी दसवें स्थान पर इस वर्ल्ड को जीतने की प्रबल दावेदार माने जाने वाली, और मौजूदा चैंपियन टीम इंग्लैंड है, जिन्होंने अपना पहला मैच न्यूज़ीलैंड के खिलाफ बुरी तरह से हारा था, इसलिए उनका नेट रन रेट सबसे ज्यादा खराब हो गया।

आप सांसद राघव चड्ढा हाईकोर्ट की चौखट पर

बंगला खाली करने के आदेश के खिलाफ याचिका दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने टाइप-सेवन बंगला खाली करने के पटियाला हाउस कोर्ट के आदेश के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए याचिका का उल्लेख किया गया, जिन्होंने इस याचिका को स्वीकार करते हुए सुनवाई के लिए बुधवार यानी 11 अक्टूबर को सुनवाई को किया है।

राघव चड्ढा के वकील ने कहा कि संसद सदस्य को नोटिस दिया गया है और बंगले से बेदखली की कार्यवाही चल रही है। उन्होंने कहा कि पहले ट्रायल कोर्ट से स्टे था, लेकिन अब कोर्ट ने उसको हटा दिया है। ट्रायल कोर्ट ने 5 अक्टूबर के आदेश में कहा है कि चड्ढा यह दावा नहीं कर सकते कि आवंटन रद्द होने के बाद भी उन्हें राज्यसभा सांसद के रूप में अपने पूरे कार्यकाल के दौरान सरकारी बंगले पर कब्जा जारी रखने का पूर्ण अधिकार है।

पटियाला हाउस कोर्ट ने दिया था आदेश

दिल्ली की पटिलाया हाउस कोर्ट ने राघव चड्ढा को मिले टाइप-सेवन के सरकारी बंगले को खाली कराने के लिए राज्यसभा सचिवालय के आदेश पर लगी अंतरिम रोक को हटा दिया था। अदालत ने रोक हटाते हुए कहा कि टाइप-सेवन बंगला आप नेता को विशेषाधिकारी के तहत दिया गया था। अब ये विशेषाधिकार वापस लेने और बंगले का आवंटन रद्द किया जाने के आदेश में बंगले पर उनका कब्जा किए रहने का कोई औचित्य अधिकार नहीं है। अब आप नेता को यह सरकारी बंगला खाली करना होगा। इसमें कहा गया था कि चड्ढा को अंतरिम राहत दी गई थी कि उन्हें कानूनी प्रक्रिया के बिना आवास से बेदखल नहीं किया जाएगा।

चंद्रबाबू के बेटे नारा लोकेश से सीआईडी की पूछताछ शुरू

अमरावती इनर रिंग रोड घोटाले का है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुंटूर। आंध्र प्रदेश सीआईडी ने अमरावती इनर रिंग रोड घोटाला मामले में टीडीपी नेता और पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश से मंगलवार को पूछताछ शुरू की। टीडीपी नेता नारा लोकेश सुबह नौ बजकर नौ मिनट पर गुंटूर जिले के ताडेपल्ली स्थित सीआईडी के आर्थिक अपराध शाखा-55 कार्यालय में पहुंचे। सीआईडी का आरोप है कि नारा लोकेश ने अमरावती इनर रिंग रोड के आदेश में बदलाव कर लाभ कमाया और घोटाले में अहम भूमिका निभाई।

आरोप है कि आंध्र प्रदेश की 2014-2019 के बीच रही सरकार में उच्च अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त रहे और इस दौरान अमरावती के मास्टर प्लान की डिजाइनिंग और रिंग रोड और अन्य सड़कों को जोड़ने की योजना में धांधली की गई। इस मामले में कई अन्य आरोपी भी हैं। नारा लोकेश को इस मामले में 14वां आरोपी बनाया गया है।

धारा 41ए के तहत नोटिस जारी

सीआईडी इस घोटाले की जांच कर रही है। सीआईडी ने ही टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस पर नारा लोकेश की कानूनी सलाहकार टीम ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की लेकिन अदालत ने इस याचिका को खारिज कर दिया है और नारा लोकेश को सीआईडी की पूछताछ में सहयोग करने को कहा है। बता दें कि सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत दिए गए नोटिस के कारण नारा लोकेश पूछताछ के लिए पुलिस अधिकारी के सामने पेश हुए हैं।

दिल्ली-एनसीआर वायु प्रदूषण का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। एनसीआर में वायु प्रदूषण का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने एयर क्वालिटी मैनेजमैंट कमीशन से रिपोर्ट मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि प्रदूषण पर नियंत्रण करने के लिए क्या कदम उठाए गए है।

दरअसल एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग की है। सर्दी के मौसम में प्रदूषण से बढ़ते स्तर का मामला कोर्ट के सामने रखते हुए कमीशन से रिपोर्ट तलब करने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से भी प्रदूषण बढ़ रहा है, ये मामला सीएक्यू के पास है और वो मुद्दों से निपट रहा है। जस्टिस संजय किशन कौल की बेंच ने कहा कि एमिक्स क्यूरी ने सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण की गंभीर समस्या को सामने रखा है। पराली जलाने समेत सारे मुद्दे सीएक्यूएम को पास हैं। इसलिए सीएक्यूएम इस मामले में जल्द ही एक रिपोर्ट दाखिल करे और बताए कि राजधानी व आसपास प्रदूषण रोकने के लिए क्या उपाय किए गए हैं, अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को होगी।

अदालत ने एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन से मांगी रिपोर्ट

अतीक की बहन शाहीन को सौंपी गई बच्चों की कस्टडी

सुप्रीम कोर्ट में यूपी सरकार ने दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बाहुबली अतीक अहमद के दो नाबालिग बच्चों की कस्टडी से जुड़े मामले का मंगलवार (10 अक्टूबर 2023) को निपटारा कर दिया। अतीक की बहन शाहीन ने बाल सुधार गृह में रह रहे दोनों बच्चों की कस्टडी मांगते हुए याचिका दाखिल की थी। यूपी सरकार ने कोर्ट को बताया कि दोनों बच्चों को कल ही सुधार गृह से निकाल कर शाहीन को सौंप दिया गया है।

माफिया अतीक अहमद के दोनों बेटों अहजम और अबान को सोमवार (9 अक्टूबर 2023) को राजरूपपुर स्थित बाल सुधार गृह से निकाल कर उनकी बुआ के सुपुर्द कर दिया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि अतीक की बहन हटवा गांव में रहती हैं और उन्होंने अतीक के दोनों बेटों का पालन पोषण करने का जिम्मा लेते हुए उन्हें अपने सुपुर्द करने का प्रार्थना पत्र दिया था।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद से ही अतीक के दोनों बेटों को पुलिस ने बाल सुधार गृह में दाखिल किया था जिस पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने धूमनगंज पुलिस से आख्या मांगी थी। उन्होंने बताया कि धूमनगंज थाने की पुलिस ने अपनी आख्या में बताया था कि

सुधारगृह में थे अतीक के बेटे

उमेश पाल हत्याकांड के बाद अतीक का पूरा परिवार फरार हो गया था और दोनों बच्चे चकिया में लावारिस हालत में मिले थे। सुरक्षा को देखते हुए अतीक के दोनों बेटों को बाल गृह में दाखिल किया गया था। 15 अप्रैल को अतीक अहमद की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जब अतीक पुलिस कस्टडी में सरकारी अस्पताल में अपना मेडिकल कराने पहुंचा था। इस दौरान उसके साथ उसका भाई अशरफ भी था। मीडिया कर्मियों के भेष में आए हमलावरों ने कई राउंड फायरिंग कर अतीक-अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

अशरफ का साला सद्दाम बरेली से बदायूं जेल में शिफ्ट

बरेली। माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ के साले सद्दाम को बरेली से शिफ्ट कर दिया गया है। बरेली सेंट्रल जेल टू में बंद सद्दाम का नया ठिकाना अब बदायूं जिला जेल होगी। उसके खास गुर्गे प्रयागराज निवासी आतिन जफर को रामपुर जेल भेजा गया है। हाल ही में आतिन को प्रयागराज से, इसके बाद सद्दाम को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। सद्दाम उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरार था। उसकी गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। दिल्ली से गिरफ्तार कर सद्दाम को बरेली जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया था। हाई सिक्योरिटी बैरक में सद्दाम परेशान था। उसने मानवाधिकार का हवाला देकर बैरक बदलने की गुहार लगाई थी। वह बार बार सामान्य बैरक में दूसरे बंदियों के साथ रखने की जिद कर रहा था। मंगलवार को उसे बरेली जेल से शिफ्ट कर दिया गया।

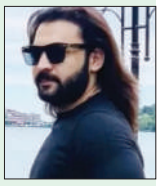

आयुष क्षेत्र में करने होंगे नए शोध : योगी

होम्योपैथिक फार्मासिस्टों को सौंपा गया नियुक्ति पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हेल्थ टूरिज्म के लिए आयुष के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इसके लिए हर स्तर पर तैयार होना होगा। हमें आयुष के क्षेत्र में नए-नए शोध करने होंगे। वह मंगलवार को लोक भवन में 393 होम्योपैथिक फार्मासिस्टों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों के लिए 393 आयुष फार्मासिस्ट मिल रहे हैं। ये होम्योपैथ की विधा को निरंतर आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि आयुष क्षेत्र में कैरियर बनाने में लोग संकोच करते हैं। ऐसे में युवाओं को प्रेरित करने की जरूरत है। आयुष से जुड़े हर चिकित्सक अपना संकोच दूर करें। इस दिशा में शोध करें। इस विधा को बढावा दें। इस विधा से जुड़े डॉक्टर ही नहीं पैरा मेडिकल स्टॉफ की भी अहम भूमिका होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पहले आयोग की नियुक्ति में कई साल लग जाते थे। अब बदलाव हुआ है। पारदर्शी तरीके से चयन प्रक्रिया हो रही है। प्रदेश सरकार की ओर से छह लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी क्षेत्र में रोजगार दिया गया है। ये व्यवस्था का हिस्सा बनकर पूरी ऊर्जा के साथ प्रदेश को ताकत दें जिससे प्रदेश की समृद्धि बढ़े। हर व्यक्ति को अपना आत्मावलोकन करना होगा। यदि कोई गलत करेगा, उसकी जवाब देही होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश लगातार नए-नए रोजगार के सृजन का विकल्प बन रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग भारत की परंपरा से जुड़ा रहा है। होम्योपैथ का प्रयोग ग्रामीण इलाके में सर्वाधिक होता है। इसलिए इस विधा को बढ़ाने की जरूरत है। अब हर व्यक्ति आयुष को अपनाने लगा है। कोविड के दौरान यह हम लोगों के लिए सहारा बना। वर्ष 2014 के बाद इस दिशा में तेजी से काम हुआ है। उत्तर प्रदेश में पहली बार आयुष की अलग-अलग विधाओं के लिए डिग्री और डिप्लोमा के कोर्स शुरू करने के लिए आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। परापंरागत दवाओं को बढावा दिया जा रहा है। आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथ कॉलेजों का निरंतर विकास हो रहा है।

फोटो: सुमित कुमार

निरंतर हो रहा आयुष का विकास

आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि महायोगी गुरु गोरक्षनाथ महाविद्यालय बन रहा है। उससे सभी आयुष कॉलेजों को जोड़ा गया है। 393 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। इनसे विभाग के अस्पतालों को काफी फायदा मिलेगा। विभाग के डॉक्टरों एवं कर्मचारियों को प्रोन्नति दी गई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।